

क्षमता की पुष्टि की।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, सत्र का मुख्य उद्देश्य सेमीकंडक्टर शिक्षण व अनुसंधान में महत्वपूर्ण प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना था। हमने उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की और आईआईटी इंदौर को भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करने के लिए "एक रोडमैप तैयार किया। यदि आवश्यक हआ, तो पाठ्यक्रम को उभरते उद्योग की जरूरतों को परा करने के लिए भी तैयार किया जाएगा।



सहयोगी अनुसंधान को आगे बढ़ाने की अंतर्द्रष्टि और स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। किए गए। उद्योग के दिग्गजों और विचार-विमर्श सत्र के माध्यम से अकादमिक लीडर की सक्रिय भागीदारी ने आईआईटी इंदौर में सेमीकंडक्टर शिक्षण व भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षाओं में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए समृद्ध योगदान देने में आईआईटी इंदौर की

आईआईटी इंदौर की ओर से बैंगलोर में सेमीकंडक्टर शिक्षण व अनुसंधान पर विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा और छात्र व कॉर्पोरेट संबंध अनुभाग की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें सेमीकंडक्टर उद्योग के 50 से अधिक दिग्गजों के साथ-साथ आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य व अधिकारी भी शामिल हुए। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों में भारत की क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने, शिक्षा को बढाने, नवाचार को बढावा देने और



इलेक्ट्रॉनिक्स, मटेरियल्स साइंस, फिजिक्स और कम्प्युटर इंजीनियरिंग को एकीकत करने वाल अंतः विषय पाढयक्रम तैयार करने पर जोर दिया गया। उद्योग जगत के लीडर ने व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया और सेमीकंडक्टर के लिए एडवांस्ड मटेरियल्स वबांटम कम्प्युटिंग, चिप डिजाइन, एमईएमएस एनईएमएस, एआई हार्डवेयर और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग जैसे शोध विषयों को उ% प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में बताया। कंपनिय ने इंटर्नशिप कार्यक्रमों, संकाय सदस्य के साथ जुड़ने और अतिथि व्याख्यान देने में गहरी

रुचि दिखाई।